BIHAR FOUNDATION
BONDING • BRANDING • BUSINESS

बिहार सरकार
उद्योग विभाग

+91 0612 2547371
+91 85442 99526
https:// biharfoundation. bihar.govt.in

सम्प्रति बिहार

बिहार फाउन्डेशन की प्रस्तुति

बिहार के महत्वपूर्ण अखबारों में छपे **सकारात्मक** समाचारों का संकलन

ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष सप्तमी सोमवार विक्रम संवत् 2079। 06 जून 2022

JKDESIGN 8369994118

6TH FLOOR, INDIRA BHAWAN, RCS PATH, PATNA-800001. BIHAR, INDIA.

ग्लोबल समिट • लेट्स इंस्पायर बिहार की ओर से आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे उद्यमी

शाहनवाज ने कहा- हम बिहार में विकास के साथ वैभव भी लाएंगे

सिटी रिपोर्टर | पटना

बिहार की कमजोरी को हम ताकत बनाएंगे। यहां बढ़ती जनसंख्या और बाढ़ कमजोरी मानी जाती है। अब इसे ही उद्योग विभाग अपनी ताकत बनाने जा रही है। हमारी कोशिश है कि बिहार के जो कामगार दूसरे राज्य को अपनी हुनर से आबाद कर रहे हैं उनको बिहार में ही अवसर मिले और जो बाढ़ यहां के लिए अभिशाप कही जाती है उस पानी का उपयोग कर बिहार की तरक्की में काम करेंगे। हम बिहार में विकास के साथ वैभव भी लाएंगे। उक्त बातें बिहार सरकार के उद्योग मंत्री शाहनवाज हुसैन ने मौर्या होटल में आयोजित लेट्स इंस्पायर बिहार के वायब्रेन्ट बिहार ग्लोबल समिट-2022 को संबोधित करते हुए कहीं। संबोधन से पूर्व दीप प्रज्वलन के साथ समिट का विधिवत उद्घाटन मुख्य अतिथि मंत्री शाहनवाज हुसैन, कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे लेट्स इंस्पायर के संस्थापक संरक्षक गृह विभाग के विशेष सचिव विकास वैभव, ढाका से आये ओपी झा, यूएसए से आईं माला झा, बीआईए के पूर्व अध्यक्ष केपीएस केशरी, गुजरात चेप्टर के संयोजक मोहन झा ने किया। स्वागत लोक गायिका डॉ. नीतू नूतन और स्वागत संबोधन प्रभाकर कुमार राय ने किया। मंत्री शाहनवाज हुसैन ने कहा कि आईपीएस विकास वैभव को लम्बे समय से जानते हैं इनमें कुछ करने की ललक है। इनकी अगुआई में लेट्स इंस्पायर बिहार अपने उद्देश्य में सार्थक आकर पाएगा। उन्होंने कहा कि आज बिहार में उद्योग की बात होने लगी है।

उद्यमियों ने कहा बिहार में माहौल मिलने लगा है

इन्वेस्टर के लिए इंदिरा भवन में इन्वेस्टर भवन बना रहे हैं जहां सीधे लोग अप्लाई करेंगे और सात दिनों के अंदर क्लीयरेंस मिलेगा। किसी भी इन्वेस्टर को सचिवालय का चक्कर लगाने की जरूरत नहीं रहेगी। मंत्री ने कहा कि टाइल्स की कीमत से अधिक उसे गुजरात से लाने में खर्च हो जाता है जिस वजह से ऊंची कीमत पर टाइल्स खरीदनी पड़ती है। हमने प्रयास किया है कि टाइल्स बनाने वाली कंपनी बिहार में ही निर्माण करे ताकि कीमत कम हो सके। लेट्स इंस्पायर के संस्थापक आईजी बिकास वैभव ने कहा कि आप सब कुछ देने इस आयोजन में आए हैं लेने नहीं। हम आप सबका स्वागत करते हैं आप बिहार के औद्योगिक विकास में महती भूमिका निभाएंगे। यहां लोग जाति में विभाजित हैं जिससे आपसी सहयोग प्रभावित होती है।

हर युवा बेहतरी के स्वप्न देखे सफलता जरूर मिलेगी

विकास वैभव ने कहा कि बिहार का हर युवा बेहतरी के स्वप्न देखे सफलता जरूर मिलेगी । उन्होंने सभी प्रतिनिधियों से कहा कि आने वाले समय में और बड़ा आयोजन करेंगे। जो इन्वेस्टर एएमयू साइन किए उनके प्रति आभार व्यक्त किया। एलआईबी के प्रमुख सदस्य राहुल सिंह ने अपने संबोधन में बिकास वैभव के अभियान शिक्षा, समता और उद्यमिता पर प्रकाश डाला जबकि गुजरात से आये मोहन झा ने व्यवरेन्ट बिहार ग्लोबल समिट 2022 की परिकल्पना और आगामी कार्यक्रम से परिचय कराया। इस अवसर पर मंत्री शाहनवाज हुसैन की उपस्थिति में गुजरात आधारित कंपनी सुपरमेड वेंचर प्राइवेट लिमिटेड ने सहमति पत्र पर हस्ताक्षर हुआ।

सौजन्य से दैनिक भास्कर | पटना | 06.06.2022 | पृष्ठ सं० 06

BIHAR FOUNDATION
BONDING • BRANDING • BUSINESS

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने नई यूनिट की रखी आधारशिला

पटना एम्स में 150 बेड का आईसीयू ब्लॉक बनेगा

फुलवारीशरीफ/पटना,हिन्दुस्तान टीम। पटना एम्स में क्रिटिकल केयर हॉस्पिटल ब्लॉक बनेगा। यहां आईसीयू और सीसीयू के 150 बेड होंगे। रविवार को केंद्रीय स्वास्थ्य एवं उर्वरक मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने इसका शिलान्यास किया। इसके बनने से एम्स में 271 बेड आईसीयू-सीसीयू के हो जाएंगे। वर्तमान में यहां इमरजेंसी और ट्रामा में 121 आईसीयू बेड हैं। नया क्रिटिकल केयर ब्लॉक बनने से गंभीर मरीजों को फायदा होगा। आयुष्मान मरीज भी लाभान्वित होंगे।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने रविवार को डॉक्टरों के आवास के लिए फैकल्टी ब्लॉक और शैक्षणिक खंड के निर्माण कार्य का शिलान्यास और नवनिर्मित अत्याधुनिक सभागार (ऑडिटोरियम) का उद्घाटन किया। मंत्री दोपहर तीन बजे पटना एम्स पहुंचे। उन्होंने एम्स निदेशक डॉ. सौरभ वार्ष्णेय, अधीक्षक सीएम सिंह व अन्य वरीय चिकित्सकों संग पटना एम्स की प्रगति की समीक्षा भी की। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि आने वाले दिनों में बिहार के गंभीर मरीजों को इलाज के लिए दिल्ली एम्स जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। यहां जरूरी मेडिकल उपकरण, सभी तरह की अद्यतन मशीन उपलब्ध कराई जाएगी। दरभंगा एम्स का भी निर्माण कार्य तुरंत चालू होगा। एम्स के विस्तार के लिए 25 एकड़ भूमि का जल्द अधिग्रहण होगा, जो भी कमी है सभी की पूर्ति की जायेगी। देखें P 07

पटना में रविवार को सीएम नीतीश कुमार से मिलते केंद्रीय मंत्री डॉ.मनसुख मांडविया।

इमरजेंसी व ट्रॉमा का हो विस्तार

पाटलिपुत्र सांसद रामकृपाल यादव ने केंद्रीय मंत्री से पटना एम्स की इमरजेंसी व ट्रामा के विस्तार की मांग की। डॉक्टरों के रिक्त पद भरने की भी मांग की। कहा कि एम्स में नेफ्रोलॉजी, न्यूरो मेडिसीन समेत कई विभाग खाली पड़े हैं। एम्स में सिटी स्कैन, एमआरई में एक-एक वर्ष का वेटिंग मरीज को मिल रहा है। इसलिए इन विभागों पर ध्यान दिया जाय। एम्स पटना में स्थानीय निदेशक की जल्द बहाली की जाए।

विस्तार के लिए 25 एकड़ जमीन का होगा अधिग्रहण

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. संजय जायसवाल ने एम्स के विस्तार के लिए 25 एकड़ जमीन अधिग्रहण की मांग की। उन्होंने कहा कि जमीन अधिग्रहण का काम तेजी से हो। इस पर बिहार सरकार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का एम्स के ऊपर काफी ध्यान है। मुख्यमंत्री ने अधिग्रहण से संबंधित कागजात भी मांगे हैं। इस मामले में बातचीत चल रही है। जल्द ही जमीन अधिग्रहण का काम शुरू किया जायेगा।

271 बेड हो जाएंगे आईसीयू और सीसीयू के

रिटायर कर्मचारियों को पांच सौ रुपये तक का भुगतान बिना जांच होगा

पटना। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने पटना-दीघा रोड में अपर निदेशक कार्यालय, केंद्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना (सीजीएचएस) का उद्घाटन किया। कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार हुआ है। कहा, सरकर ने रिटायर कर्मियों की हितों का ध्यान रखते हुए 500 रुपये तक के क्लेम पर बिना जांच के भुगतान का आदेश दिया है।

सीजीएचएस लाभार्थियों के लिए पंचायत लगेगी

कैन्द्रीय मंत्री ने सीजीएचएस के अधिकारियों को आदेश दिया कि आने वाले दिनों में जिला और प्रखंड स्तर पर सीजीएचएस लाभार्थियों के लिए पंचायत लगाएं और उनकी समस्याएं सुलझाएं। मौके पर बिहार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे, सांसद रामकृपाल यादव, सांसद डॉ. संजय जायसवाल, स्थानीय विधायक संजीव चौरसिया आदि उपस्थित थे।

सौजन्य से हिन्दुस्तान | पटना | 06.06.2022 | पृष्ठ सं० 01

BIHAR FOUNDATION
BONDING • BRANDING • BUSINESS

सुविधा: गांधी सेतु की पूर्वी लेन पर कल से दौड़ने लगेंगे वाहन

- पुल के दोनों लेन पर आवागमन शुरू होने पर जाम से मिलेगी निजात
- केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी करेंगे उद्घाटन, उत्तर बिहार जाना होगा आसान
- सीमेंट से बने पुल को तोड़कर अब सुपर स्ट्रक्चर स्टील का बनाया गया

30 हजार टन हल्का होगा पहले की तुलना में नया पुल

25 लाख नट बोल्ट का इस्तेमाल किया गया नए पुल में

पटना, वरीय संवाददाता । पटना से उत्तर बिहार को जोड़ने वाले गांधी सेतु का पूर्वी लेन मंगलवार से चालू हो जाएगा। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी इसका उद्घाटन करेंगे। इसके बाद दोनों लेन से वाहनों का आवागमन शुरू हो जाएगा। पहले की तुलना में पुल मजबूत और हल्का है। भारी वाहनों के परिचालन को देखते हुए इसे बनाया गया है।

साढ़े पांच किलोमीटर लंबे पुल का निर्माण नई तकनीक से किया गया है। एनएच 19 पर लोहे (स्टील) से बनाया गया नया फोरलेन पुल पहले की तुलना में तीस हजार टन हल्का होगा। इस पुल में 25 लाख नट बोल्ट का इस्तेमाल किया गया है। इसके अलावा 28 हजार मीट्रिक टन सीमेंट और एक लाख 36 हजार मीट्रिक टन बालू का उपयोग किया गया है।

जल्दी खराब नहीं होगा : महात्मा गांधी सेतु कंक्रीट का होने के कारण अक्सर इसमें दरार या टूटने की शिकायत रहती थी। एक लेन में ही वाहनों का परिचालन होता था। इसलिए पुल का सुपर स्ट्रक्चर बदलने का निर्णय लिया गया। तकनीकी अधिकारियों का दावा है कि नया पुल भारी वाहनों के परिचालन पर भी जल्दी खराब नहीं होगा।

संबंधित खबर P04

सौजन्य से हिन्दुस्तान | पटना | 06.06.2022 | पृष्ठ सं० 01

BIHAR FOUNDATION
BONDING • BRANDING • BUSINESS

छह साल में बनकर तैयार हुआ सेतु का दोनों लेन, गंगा पार करना होगा आसान

सुविधा: अब 15 मिनट में पटना से हाजीपुर वाया गांधी सेतु

■ अंजनी कुमार मिश्र

पटना सिटी। इंतजार की घड़ियां खत्म हुई और अब गांधी सेतु के दोनों लेन पर सरपट भागेंगी गाड़ियां। करीब छह साल में सेतु के सुपरस्ट्रक्चर को बदल कर इसे नया स्वरूप दिया गया है। गांधी सेतु पश्चिमी लेन का सुपरस्ट्रक्चर बदलकर इसे जून 2020 में चालू कर दिया गया था। अब सात जून से नए पूर्वी लेन पर भी वाहनों का आवागमन शुरू हो जाएगा। दोनों लेन पर निर्बाध रूप से वाहनों का आवागमन शुरू हो जाने के बाद पटना से हाजीपुर का सफर आसान हो जाएगा और करीब छह किलोमीटर की दूरी पन्द्रह मिनट में पूरी की जा सकेगी।

छह साल पहले शुरू हुआ था सुपरस्ट्रक्चर बदलने का काम: उत्तर बिहार की लाइफ लाइन कहा जाने वाला, एशिया का सबसेस लंबा पुल महात्मा गांधी सेतु पर 1983 से वाहनों का आवागमन शुरू किया गया था। लेकिन उचित रखरखाव नहीं होने के कारण निर्माण के पच्चीस वर्ष होते ही सेतु की स्थिति खराब होने लगी। भारी वाहनों का बेरोकटोक परिचालन और सेतु पर वाहनों का ठहराव होने से इसके स्पैन असर पड़ा और कई स्थानों पर यह काफी जर्जर हो गया। सेतु के जर्जर कंधों पर भी हर दिन चालीस हजार से अधिक वाहनों का दबाव था। अंततः इसके पुर्ननिर्माण की खोजना बनायी गयी और सेतु के 46 पायों को दुरुस्त पाते हुए इसके ऊपरी सतह का निर्माण कराने की रुपरेखा तैयार की गयी। वर्ष 2016 में सेतु पश्चिमी लेन की परत काटकर इसे स्टील की चादर वाली सुपरस्ट्रक्चर बनाने का काम शुरू किया गया। उस वक्त दो साल में पश्चिमी लेन और अठारह महीने में पूर्वी लेन को तैयार कर आवागमन शुरू करने का लक्ष्य रखा गया था। इस नवनिर्मित सेतु को मार्च 2020 में शुरू किया जाना था लेकिन विभिन्न कारणों से निर्माण में देरी होती गयी और दो साल बाद इसे पूरा किया जा सका।

ट्रैफिक व्यवस्था करनी होगी दुरुस्त: गांधी सेतु के दोनों लेन से वाहनों का परिचालन शुरू होते ही राजधानी में बढ़े वाहनों की प्रेशर बढ़ेगा। खासकर जीरोमाइल, पहाड़ी मोड़, धनुकी मोड़ के पास ट्रैफिक व्यवस्था को चौबीसों घंटे दुरुस्त रखना होगा। सेतु से वाहनों का दबाव बढ़ते ही फोरस्लेन पर जाम की समस्या खड़ी न हो इसके लिए नई व्यवस्था करनी होगी। बड़े वाहनों के डायवर्ट और ओवरटेक पर नजर रखनी होगी। जिससे कि भीषण जाम से बचा जा सके।

1982 में इंदिरा गांधी ने किया था उद्घाटन: गंगा नदी पर पटना में सबसे पहले महात्मा गांधी सेतु पुल 1982 में बनाया गया था। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने पुल का उद्घाटन किया था। हालांकि इस पुल की स्वीकृति 1969 में भारत सरकार द्वारा दी गई थी। 1972 से 1982 तक पुल निर्माण का कार्य चला था। पुल 10 वर्षों में बनकर तैयार हुआ था।

महात्मा गांधी सेतु का पूर्वी लेन बनकर तैयार। सात जून को इसका उद्घाटन होगा इसके बाद गंगा पार करना आसान हो जाएगा।

- दोनों लेन चालू होने से बढ़े वाहनों का दबाव बढ़ेगा
- दो साल देरी से पूरा हुआ पुल के जीर्णोद्धार का काम

40 हजार से अधिक वाहन हर रोज गुजरते हैं पुल से

07 जून को पूर्वी लेन का होना है उद्घाटन

दोनों तरफ से पाथवे भी बनाया जाएगा

गंगा नदी में नौवहन परिचालन के लिए 14 मीटर अनिवार्य ऊंचाई को भी बनाए रखा गया है। पुल के बगल से लोगों को चलने के लिए पाथवे का भी निर्माण किया जाएगा, जो एक ओर से पांच मीटर चौड़ा होगा ताकि वाहनों के परिचालन के समय लोग दोनों लेन से लोग आ जा सकें। अभी पाथवे बनाया जाना है।

महत्वपूर्ण तथ्य

- पुल की लंबाई: 5575 मीटर (साढ़े पांच किलोमीटर)
- पुल की लागत: 1742 करोड़
- पुल निर्माण में 66 हजार 360 मीट्रिक टन लोहे का इस्तेमाल
- पुल बनाने का काम शुरू: 19 नवंबर 2016
- पुल निर्माण कार्य पूरा करने का लक्ष्य: 16 मई 2022

सौजन्य से हिन्दुस्तान | पटना | 06.06.2022 | पृष्ठ सं० 04

पहल | जिलों के वैज्ञानिकों की देखरेख में जल जीवन हरियाली योजना के तहत चलेगा अभियान, वैज्ञानिक तरीके से पौधरोपण व सिंचाई की व्यवस्था होगी, सरकार किसानों को फलदार वृक्षों का पौधा मुफ्त में देगी

खरीफ मौसम में 11 हजार हेक्टेयर में लगेंगे नये बाग

पटना, हिन्दुस्तान ब्यूरो। इस वर्ष खरीफ मौसम में 11025 एकड़ में नये बाग लगाए जाएंगे। इसके लिए सरकार किसानों को फलदार वृक्षों का पौधा मुफ्त में देगी। जल जीवन हरियाली योजना के तहत यह अभियान चलेगा। खास बात यह है कि नए बागों के लिए चयनित हर प्लॉट में पौधों का रोपण वैज्ञानिक तरीके से होगा। साथ ही पूरा अभियान जिलों के वैज्ञानिकों की देखरेख में चलेगा। बागों की सिंचाई के लिए नई स्प्रिंकलर विधि की व्यवस्था होगी। सरकार ने इसके लिए जरूरी मशीन पर अनुदान देने का फैसला पहले ही कर लिया है।

1750 एकड़ में आम के बाग लगाए जाएंगे

662 एकड़ में पपीते के बाग लगाए जाएंगे

262 एकड़ में लीची के बाग लगाए जाएंगे

5125 एकड़ में केला के पौधे लगाए जाएंगे

खरीफ मौसम में सरकार ने राज्यभर में जितने रकबे में बागीचा लगाने का लक्ष्य तय किया है उसमें सबसे अधिक 5125 एकड़ में केला के पौधे लगाए जाएंगे। इसमें ज्यादातर टिश्यू कल्चर केले के पौधे होंगे। आकार बड़ा होने के कारण बाजार में इसकी मांग अधिक है। इसके अलावा आम का बाग भी 1750 में लगेगा। 662 एकड़ में पपीता और 262 एकड़ में लीची का नया बागवान लगाने के लिए नि :शुल्क पौध सामग्री उपलब्ध करायी जायेगी।

राज्य सरकार फसल उत्पादन के साथ अब उद्यानिक फसलों में भी आधुनिक और वैज्ञानिक तरीका अपनाने के लिए किसानों को प्रेरित करने लगी है। सरकार का मानना है कि नए शोध और वैज्ञानिक सलाह के अनुसार बागीचा लगाने से किसानों को मुनाफा अधिक होगा। फसल रोगमुक्त होगी और उत्पादन भी बढ़ेगा। इसी लक्ष्य के साथ बागों में स्प्रिंकलर की व्यवस्था होगी। साथ ही, किसानों को मिट्टी के अनुसार पौध रोपने की सलाह दी जाएगी। एक जिला एक फसल के तहत जिन जिलों के लिए जिस फल का पौधा वैज्ञानिकों ने तय किया है किसानों को वहीं फल का बाग लगाने की सलाह दी जाएगी। वैज्ञानिकों की देखरेख में भूमि संरक्षण निदेशालय के अंतर्गत भूमि एवं जल संरक्षण से संबंधित विभिन्न आकार के जल संचयन संरचना का निर्माण एवं पौधा रोपण का कार्य किया जायेगा। साथ ही, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, जलछाजन विकास कार्यक्रम अन्तर्गत जल संचयन संरचना का निर्माण कराया जायेगा।

सभी निर्वाचन कार्यालयों में किया गया पौधरोपण, 35 हजार पौधे लगाये गए

पटना। विश्व पर्यावरण दिवस पर भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश के आलोक में निर्वाचन प्रक्रिया को हरित एवं पर्यावरण अनुकूल बनाने के प्रयासों के तहत रविवार को बिहार के सभी जिला निर्वाचन कार्यालयों, अनुमंडल निर्वाचन कार्यालयों, ईवीएम-वीवीपीएटी गोदामों, चिन्हित मतदान केन्द्रों एवं स्थलों पर लगभग 35 हजार की संख्या में पौधरोपण किया गया। इस पहल के तहत विधानसभा सचिवालय स्थित निर्वाचन विभाग मुख्यालय में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, बिहार एच आर श्रीनिवास ने पौधरोपण किया। उन्होंने बताया कि पर्यावरण का संरक्षण सतत प्रगति के लिए बहुत आवश्यक पहलू है एवं लोकतंत्र में जिस तरह मतदाता सजगता से मतदान कर लोकतंत्र को संरक्षित करता है। मौके पर निर्वाचन विभाग के संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मिथिलेश साहू, संयुक्त सचिव कन्हैया श्रीवास्तव, उप मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी अशोक प्रियदर्शी, उप सचिव आलोक कुमार, एडीएम पटना राजीव कुमार श्रीवास्तव, उप निर्वाचन पदाधिकारी रत्नांबर निलय, निवेदिता सिन्हा, धीरज कुमार, अवर निर्वाचन पदाधिकारी कपिल शर्मा, बशलोक रंजन, सुबोध कुमार आदि नेभी पौधरोपण किया गया।

सौजन्य से हिन्दुस्तान | पटना | 06.06.2022 | पृष्ठ सं० 02

बिहार कोविड अपडेट

⇒ कुल सक्रिय मामलों की संख्या	74
⇒ पिछले 24 घंटे के दौरान नए पॉज़िटिव मामलों की संख्या	11
⇒ पिछले 24 घंटे के दौरान स्वस्थ हुए मरीजों की संख्या	5
⇒ कुल वैक्सीनेशन	13,28,66,134
⇒ कम से कम एक डोस	7,07,80,822
⇒ पूर्ण वैक्सीनेटेड	6,01,63,638

बिहार फाउन्डेशन नेटवर्क

विदेश अवस्थित चैप्टर

कतर	दक्षिण कोरिया
जापान	हॉग कॉग
यू.ए.ई.	सिंगापुर
बहरीन	न्यूजीलैंड
कनाडा	यू.एस.ए.
ऑस्ट्रेलिया	सऊदी अरब

देश अवस्थित चैप्टर

मुम्बई	हैदराबाद	पुणे
चेन्नई	नागपुर	गुजरात
कोलकाता	वाराणसी	गोवा

पाठकों से अपील

बिहार फाउन्डेशन के जुड़ने के लिए

बिहार फाउंडेशन उद्योग विभाग के अन्तर्गत राज्य सरकार की एक निबंधित सोसाईटी है जिसका मुख्य उद्देश्य राज्य के बाहर बसे देश-विदेश अवस्थित बिहारी समुदायों को उनके स्वयं के बीच तथा गृह राज्य के साथ जोड़ने का है। वर्तमान मे बिहार फाउंडेशन के कुल 21 चैप्टर्स हैं. बिहार फाउंडेशन से जुड़ने के लिए नीचे दिए वेबसाइट पर जाकर Non Resident Bihari Registration पर क्लिक करें और उपलब्ध फार्म को भरकर जमा करें -

https://biharfoundation.bihar.gov.in.